ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 11 दिसम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 278

2035 तक भारत स्थापित करेगा अपना स्पेस स्टेशन:इसका नाम 'भारत अंतरिक्ष स्टेशन' होगा; 2040 तक भारतीय को चांद पर उतारा जाएगा



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को ऐलान किया कि भारत 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करेगा। इसे 'भारत अंतरिक्ष स्टेशन' नाम दिया जाएगा। इसके साथ ही, 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की योजना है। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. सिंह ने बताया कि 2025 के अंत तक या 2026 की शुरुआत में, गगनयान मिशन के तहत पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में जाएगा। साथ ही भारत अपने गहरे समुद्र मिशन के तहत 6,000 मीटर की गहराई में मानव को भेजने की योजना बना रहा है।

स्टार्ट-अप्स में बढ़ोतरी और स्पेस सेक्टर में सुधार

उन्होंने कहा, सरकार स्पेस सेक्टर को मैनेज करने के लिए एक नए कानून पर काम कर रही है। इस सेक्टर में पिछले चार साल में प्राइवेट प्लेयर्स ने सैटेलाइट के निर्माण और लॉन्च में अहम भूमिका निभाई है, जिसके चलते काफी सुधार हुआ है। डॉ. सिंह ने कहा कि 2014 में जहां स्पेस स्टार्ट-अप्स की संख्या सिर्फ एक थी, वह अब बढ़कर 266 हो गई है। उन्होंने बताया कि भारत ने श्रीहरिकोटा लॉन्च साइट से अब तक 432 विदेशी उपग्रह लॉन्च किए हैं, जिनमें से 397 पिछले 10 साल में ही लॉन्च किए गए हैं। इसके साथ ही, सरकार ने डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस के तहत बनाए इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (IN-SPACe) जैसी सरकारी संस्था बनाई है जो निजी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने, रेगुलेट करने और उन्हें स्पेस सेक्टर में काम करने की अनुमति देने में अहम भूमिका निभाती है।

2040 तक अंतरिक्ष में कई बड़ी योजनाएं

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पहले चरण को सेट-अप करने के लिए गगनयान मिशन को शुरू करने का टारगेट रखा है। इसके अलावा, चंद्रयान-4 के जरिए चंद्रमा की चट्टानों के नमूने वापस लाने, शुक्र ग्रह का अध्ययन करने और नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल्स तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। भारत का लक्ष्य 2047 तक विज्ञान और अंतरिक्ष क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनना है।

क्या है मिशन गगनयान

गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है जिसके तहत चार एस्ट्रोनॉट्स अंतरिक्ष में जाएंगे। यह 3 दिन का मिशन होगा, जिसके तहत एस्ट्रोनॉट्स के दल को 400 KM ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा।इसके बाद क्रू मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। अगर भारत अपने मिशन में कामयाब रहा तो वो ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं।

AI इंजीनियर की खुदकुशी, पत्नी-सास समेत 4 पर FIR:1.20 घंटे के वीडियो में आपबीती, कहा- आरोपी छूटें तो अस्थियां गटर में बहा देना



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. बेंगलुरु में AI इंजीनियर अतुल सुभाष की खुदकुशी मामले में चार लोगों पर FIR दर्ज की गई है। FIR में अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया और चाचा ससुर सुशील सिंघानिया का नाम है। अतुल के भाई बिकास कुमार ने बेंगलुरु के मराठाहल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी। इसी के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), धारा 3(5) (जब दो या ज्यादा लोग शामिल हों तो सामूहिक जिम्मेदारी बनती है) का केस दर्ज किया है। अतुल ने 1 घंटे 20 मिनट का वीडियो जारी किया था। इसमें उन्होंने अपनी आपबीती बताई। अतुल ने ये भी मांग की थी कि अगर उन्हें प्रताड़ित करने वाले बरी हो जाएं तो अस्थियां कोर्ट के बाहर गटर में बहा दी जाएं। कमरे में तख्ती मिली थी, लिखा था- अभी न्याय बाकी है

अतुल ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर की एक जज पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने लेटर में लिखा है कि जज ने मामले को रफा-दफा करने के नाम पर 5 लाख रुपए मांगे थे। अतुल ने यह भी लिखा कि उनकी पत्नी और सास ने उन्हें सुसाइड करने को कहा था और इस पर उक्त जज हंस पड़ी थीं।

मूल रूप से बिहार के अतुल सुभाष का शव बेंगलुरु के मंजूनाथ लेआउट में उनके फ्लैट से बरामद हुआ। पड़ोसियों ने उनके घर का दरवाजा तोड़ा तो उनकी बॉडी फंदे पर लटकी मिली। कमरे में 'जस्टिस इज ड्यू' (न्याय बाकी है) लिखी एक तख्ती मिली। अतुल के परिवार की शिकायत पर पुलिस ने अतुल की पत्नी और पत्नी के परिवार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है।

अतुल ने अपने लेटर में राष्ट्रपति के नाम भी नोट लिखा

अतुल सुभाष ने 24 पेज के लेटर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम भी एक लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने देश के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की खामियों के बारे में लिखा और पुरुषों के खिलाफ झूठे केस दर्ज कराने के ट्रेंड के बारे में बताया। एक अन्य नोट में उन्होंने लिखा कि वे अपनी पत्नी की तरफ से दायर कराए गए सभी मामलों के लिए खुद को निर्दोष बता रहे हैं। इनमें दहेज प्रतिरोध कानून और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार का केस शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैं कोर्ट से रिक्वेस्ट करता हूं कि इन झूठे केसों में मेरे माता-पिता और भाई को परेशान करना बंद करें।

बांग्लादेश में ढाका से त्रिपुरा बॉर्डर तक लॉन्ग मार्च:भारत अलर्ट, सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई; US बोला- दोनों देश बातचीत से विवाद सुलझाएं



24 न्यूज अपडेट

ढाका. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने आज भारत के त्रिपुरा बॉर्डर तक लॉन्ग मार्च निकाला। इस लॉन्ग मार्च को त्रिपुरा चली अभियान नया दिया गया है। बुधवार को सुबह 9 बजे ढाका के नयापल्टन से इसकी शुरुआत की गई।

BNP की तीन सहयोगी पार्टी

जातीयतावादी जुबो दल, स्वेच्छाचारी दल और छात्र दल ने मिलकर इस मार्च की शुरुआत की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वो अगरतला में बांग्लादेशी डिप्टी हाई कमीशन पर हमले, बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान और सांप्रदायिक दंगे भड़काने की साजिश के विरोध में यह रैली कर रहे हैं।

भारत ने हालात देखते हुए सुबह से ही क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पश्चिमी त्रिपुरा जिले के एसपी किरण कुमार ने आज सुबह बॉर्डर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों को जीरो पॉइंट से पहले ही रोक दिया जाएगा।

US बोला- दोनों देश शांति से विवाद सुलझाएं

अमेरिका ने भारत और बांग्लादेश से अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की मांग की है। US फॉरेन डिपार्टमेंट के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम चाहते हैं कि भारत और बांग्लादेश आपसी विवाद को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं।

BNP लीडर बोले- हमने खून बहाकर आजादी हासिल की

लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रैली के दौरान BNP लीडर रूहुल कबीर रिजवी ने कई भारत विरोध बयान दिए। उन्होंने कहा कि हमने खून बहाकर आजादी हासिल की है। अब हमें कड़ी मेहनत से उसे बचाना है।

उन्होंने कहा- भारत नहीं चाहता कि भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव और श्रीलंका के लोग अपने घरेलू मामले खुद संभालें। हमें दिल्ली की बात क्यों माननी चाहिए? दिल्ली के नेता अब तक बांग्लादेशी लोगों की बहादुरी और हिम्मत पहचान नहीं पाए हैं।

केजरीवाल बोले- AAP अपने दम पर दिल्ली चुनाव लड़ेगी:3 बार अकेले जीते, इस बार भी जीतेंगे; कांग्रेस को 15 सीटें देने की खबरें थीं



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली.दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (AAP) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की अटकलों को अरविंद केजरीवाल ने खारिज कर दिया। AAP प्रमुख केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उसके कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना नहीं है।

बुधवार को यह खबर सामने आई थी कि AAP दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 15 सीट देने पर विचार कर रही है, लेकिन केजरीवाल ने X पर पोस्ट के जरिए गठबंधन की बात को नकार दिया है। राघव चड्ढा ने भी अलायंस की खबरों को निराधार बताया

AAP राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आने वाला दिल्ली चुनाव आम आदमी पार्टी अपने संगठन की ताकत और राजनीतिक बलबूते पर लड़ेगी। कांग्रेस और AAP के बीच अलायंस की खबरें निराधार हैं। AAP पिछले तीन दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ती, जीतती और सरकार बनाकर उसे चलाती आई है।

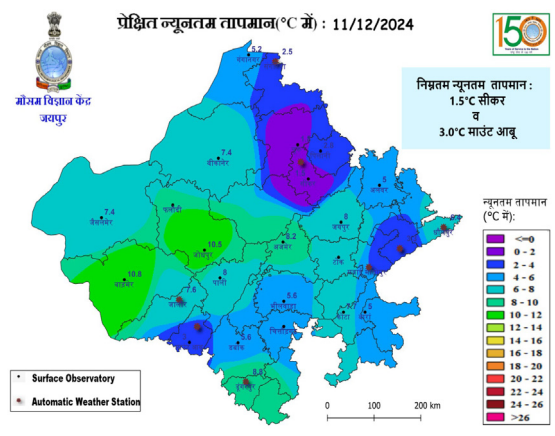
संपादकीय : मानवीय तकाजा

करीब चार महीने पहले बांग्लादेश में तख्तापलट और नई सरकार बनने के बाद भारत के विदेश सचिव पहली बार वहां की यात्रा पर गए। मगर अफसोस कि उनकी यह यात्रा पड़ोसी देश के साथ कूटनीतिक संबंधों से जुड़े मसलों पर बातचीत से ज्यादा बांग्लादेश की अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ वहां के लोगों और सरकार के रवैये पर चिंता की वजह से हुई, ताकि स्थिति में कुछ सुधार आ सके। यह छिपा नहीं है कि शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में किसी न किसी बहाने अल्पसंख्यकों के जीवन को मुश्किल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, कई जगहों पर खुली हिंसा की खबरें भी आईं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस मसले पर अमेरिका तक ने चिंता जताई कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, वह अनुचित है और उस पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। मगर चौतरफा आलोचना के बावजूद फिलहाल बांग्लादेश की सत्ता संभाल रही सरकार ने उपद्रवी तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और स्थिति को संभालना जरूरी नहीं समझा है, ताकि वहां हिंदू पहचान वाले लोग और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं के लगातार जारी रहने पर भारत ने चिंता जताई और इसके बाद भी जब वहां की सरकार की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं देखी गई, तब भारत के विदेश सचिव को वहां जाना पड़ा। सोमवार को उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार तौहिद हुसैन और विदेश सचिव मोहम्मद सशीम उद्दीन से मुलाकात की। बैठक में भारत ने जहां दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों पर बातचीत की, वहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। विडंबना है कि जो काम बांग्लादेश सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसके लिए उसके एक पड़ोसी देश को औपचारिक रूप से ध्यान दिलाने की जरूरत पड़ रही है। आखिर वहां के अल्पसंख्यक भी बांग्लादेश के नागरिक हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। विडंबना है कि मानवीयता के लिहाज से भारत की पहलकदमी को गंभीरता से लेने के बजाय बांग्लादेश सरकार अब भी अपने दायित्व को लेकर लापरवाह नजर आ रही है। वहां के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में जिस तरह अल्पसंख्यकों पर हमले और उससे उपजी स्थिति को 'बांग्लादेश का आंतरिक मामला' बताया गया है, उससे साफ है कि पीड़ित समुदायों की सुरक्षा का भरोसा देने के बावजूद सरकार हालात की गंभीरता को नजरअंदाज कर रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगस्त की शुरुआत में एक अराजक बगावत के बाद बांग्लादेश में मौजूदा सरकार अस्तित्व में आई है और उसके सामने एक और आंतरिक उथल-पुथल से निपटने की जटिल चुनौती खड़ी है तो दूसरी और उसे नई परिस्थितियों में अपने अंतरराष्ट्रीय कूटनविक संबंधों को भी सहज बनाना है। अगर वह देश के भीतर अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकार सुनिश्चित नहीं कर पाती है, तो वहां एक गंभीर अराजकता पैदा हो सकती है। ऐसे में भारत की चिंता बांग्लादेश के लिए एक जरूरी सलाह की तरह है, जिस पर उसे बिना देर किए गौर करना चाहिए। भारत ने जिस तरह एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए समर्थन देने की बात कही है, वह परस्पर भरोसे पर आधारित है और यही दोनों देशों के हित में है ।

बढ़ता बट्टा खाता

इस वक्त जब अर्थव्यवस्था का रुख नीचे की तरफ है, लोगों की क्रयशक्ति न बढ़ने से बाजार में नरमी बनी हुई है, बैंकों के कारोबार में मंदी देखी जा रही है, तब बट्टे खाते का आकार बढ़ते जाना चिंता पैदा करता है। चालू वित्तवर्ष की पहली छमाही में सार्वजनिक बैंकों ने बयालीस हजार करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते में डाल दिया। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी। कर्ज को बट्टे खाते में डालने का अर्थ है कि बैंकों ने मान लिया कि इस रकम की वसूली संभव नहीं है। हालांकि सरकार का कहना है कि बैंक बट्टे खाते में डाली गई रकम की वसूली के प्रयास करते रहते हैं। पिछले वित्तवर्ष में एक लाख सत्तर हजार एक सौ सात करोड़ रुपए बट्टे खाते में डाले गए थे। पिछले कुछ वर्षों में बैंकों का एनपीए यानी गैरनिष्यादित आस्तियों का आकार बढ़ता गया है। इसे लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है। मगर इस दिशा में अभी तक कोई व्यावहारिक उपाय नहीं तलाशा जा सका है। यह चलन लगातार बढ़ता गया है कि बड़े व्यवसायी सार्वजनिक बैंकों से किसी उद्यम के लिए कर्ज लेते हैं और फिर कंपनी बंद कर दिवालिया हो जाते हैं। इस तरह बैंकों का कर्ज डूब जाता है। अनेक व्यवसायी बड़ी रकम लेकर देश छोड़ गए। इस तरह बैंकों के कारोबार पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यह सवाल उठता रहा है कि कर्ज डूबने की समस्या से सार्वजनिक बैंकों को ही क्यों जूझना पड़ता है, जबकि निजी बैंकों के सामने यह समस्या इतनी बड़ी नजर नहीं आती। फिर, जब सामान्य लोगों के घर, वाहन, निजी उपयोग आदि के लिए लिए गए कर्ज की उगाही में बैंक विफल साबित नहीं होते, वे उनसे कर्ज वसूली कर ही लेते हैं, तो फिर बड़े कर्मों की वसूली में उनसे कहां और कैसे चूक हो जाती है। जाहिर है, कर्ज देते समय जरूरी एहतियात नहीं बरती जाती। सार्वजनिक बैंकों का पैसा डूबने का अर्थ है, आम लोगों का पैसा डूबना । ऐसा नहीं माना जा सकता कि अगर सरकार सचमुच बट्टे खाते का आकार बढ़ने से रोकने को लेकर गंभीर हो, तो ऐसे कर्जों की वसूली कठिन होगी ।

बर्फीलो राजस्थान : फतेहपुर में पारा माइनस 1 पर, उदयपुर 5.6 डिग्री, मॉर्निंग वॉक करने वाले शीतलहर से रहें सावधान, 14 तक रहेगा तेज सर्दी का असर



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। राजस्थान में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. इसके कारण कई क्षेत्रों में तापमान जमाव बिंदु के करीब दर्ज किया गया है। सर्दी के तेवर तीखे हो गए हैं। सर्द हवाएं चलने के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आ गई है। कई जगह बर्फ जम गई। पारा माइनस में भी पहुंच गया। सबसे ठंडा शहर फतेहपुर रहा, 17 जिलों में आज कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। सीकर के फतेहपुर में बुधवार को न्यूनतम तापमान माइनस 1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। माउंट आबू में ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील हो रही हैं। आज मौसम विभाग ने 17 जिलों में कोल्ड वेव चलने की चेतावनी दी है। शीतलहर ने सुबह-शाम लोगों को बेचैन कर दिया हैं अलाव ताप कर सर्दी भगाने के जतन हो रहे हैं। मंगलवार को प्रदेश के तीन शहरों को छोड़कर शेष सभी जगहों पर पारा सिंगल डिजिट में पहुंच गया। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा और बीकानेर संभाग के जिलों में कोल्ड वेव का सबसे ज्यादा प्रभाव देखा जा रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने आज 17 जिलों में, जबकि 12 और 13 दिसंबर को 15-15 जिलों में कोल्ड वेव का प्रभाव रहने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे की स्थिति देखें तो बाड़मेर में सबसे ज्यादा तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर में अधिकतम तापमान 24, बीकानेर, कोटा में 23-23, गंगानगर में 23.4, जालोर में 24.4 और जयपुर में 22.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। जयपुर, सीकर, चूरू, गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर समेत उत्तर राजस्थान के लगभग सभी शहरों में मंगलवार देर शाम तेज सर्द हवाएं चलीं। शीत लहर चलने और सुबह-शाम कड़ाके की सर्दी पड़ने के साथ ही प्रदेश में अस्थमा और कार्डियक के मरीज बढ़ गए। डॉक्टरों ने बीमारी से ग्रसित मरीजों को सुबह-शाम घर पर ही रहने की सलाह दी है। साथ ही जो व्यक्ति जल्दी सुबह या देर शाम को वॉक या एक्सरसाइज पर जा रहे हैं उनको धूप निकलने के बाद ही वॉक करने या एक्सरसाइज करने की सलाह दी है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने प्रदेश में अगले दो दिन में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट होने की संभावना जताई है। अगले तीन दिन यानी 13 दिसंबर तक जिले में येलो अलर्ट रहेगा। 14 दिसंबर से राजस्थान में शीतलहर का प्रकोप कम होने की संभावना जताई है।

शिल्पग्राम उत्सव 21 से, पहले दिन 3 बजे बाद फ्री एंट्री, पहली बार राज्यपाल बागड़े बजाएंगे उद्घाटन का नगाड़ा, 800 लोक कलाकार देंगे प्रस्तुतियां



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। शिल्पग्राम उत्सव की शुरुआत 21 दिसंबर को लोक कलाओं के संयोजनात्मक प्रस्तुति से होगी। राज्यपाल राजस्थान और अध्यक्ष पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के हरिभाऊ किसनराव बागड़े, नगाड़ा बजाकर उत्सव के उद्घाटन की घोषणा करेंगे। इस वर्ष समारोह की थीम "लोक के रंग लोक के संग" रखी गई है। मुख्यतया लोक कलाओं की प्रस्तुतियों के लिए जाने वाले इस उत्सव में देश भर की उत्कृष्ट लोक कलाओं का प्रदर्शन होगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक ने बताया कि उदयपुर का शिल्पग्राम उत्सव संभवतः देश का अकेला ऐसा उत्सव है जहां पर लोक कलाओं के लिए दर्शक इतने उत्साह से जुड़ते हैं। इस बार के अवार्ड महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग के रहने वाले कठपुतली और चित्र कथी के कलाकार श्री गणपत सखाराम मसगे और राजस्थान के जयपुर के भवई कलाकार डॉ. रूपसिंह शेखावत को दिया जाएगा। इस पुरस्कार में प्रत्येक को एक रजत पट्टिका के साथ ही 2.51 लाख रुपए की राशि दी जाती है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पहला ऐसा केंद्र है जिसने लोक कला के क्षेत्र में इतनी बड़ी राशि का पुरस्कार देना आरम्भ किया। ये पुरस्कार राजस्थान के प्रसिद्ध कला मर्मज्ञ डॉ. कोमल कोठारी जी की स्मृति में दिया जाता है। इस उत्सव में करीब 20 राज्यों (राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखण्ड, असम, मेघालय, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा, मणिपुर, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु) से करीब 800 लोक कलाकार भाग लेंगे। इस दस दिवसीय उत्सव में करीब 65 कला दलों द्वारा देश की विभिन्न हिस्सों की सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शित की जाएगी। थड़ों पर बहरूपिया, कच्छी घोड़ी, कच्छी लोक गायन, राठवा, सुंदरी वादन, अल्गोजा वादन, गवरी, मशक वादन, मांगणियार, चकरी, तेरह ताल, कालबेलिया आदि का प्रदर्शन दिनभर किया जाएगा। मेले में बहुरूपी कला का प्रदर्शन भी होगा जिसके लिए बहुरुपिए कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है। साथ ही शिल्पग्राग में 12 राशियों के चिन्ह विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इन राशि चिन्ही को देश के युवा मूर्तिकारों द्वारा पत्थर में विशेष रूप से शिल्पग्राम उत्सव के लिए तराशा गया है। पूर्व में तराशे गए वाद्य यंत्र तो दर्शकों को लुभा ही रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के जनजातीय मुखौटे भी प्रदर्शित किए जाएंगे जिन्हें कलाकारों ने शिल्पग्राम में आयोजित कार्यशाला में तैयार किया है। गवरी के चरित्रों को साकार करते हुए पुतले भी दर्शकों को लुभाएंगे इनका निर्माण बगाल से विशेष रूप से बुलाए गए कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। संगम हॉल में केन्द्र की ओर से विभिन्न शिविरों में बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी तथा कई अन्य आकर्षण भी जोड़े जाएंगे। शिल्पग्राम के मुख्य द्वार को गुजरात की पारंपरिक पिथोरा चित्रकारी से सजाया गया है।

हिवड़ा री हुक

22 से 29 दिसंबर तक "हिवड़ा री हूक" कार्यक्रम बंजारा मंच पर दोपहर 12 से 4 बजे तक होगा जिसमें दर्शकों द्वारा प्रस्तुति व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी। इस कार्यक्रम में मेले में आए दर्शक भी अपनी प्रस्तुति दे सकेंगे। सांस्कृतिक प्रश्नोतरी का सही उत्तर देने वाले व्यक्ति को शिल्पग्राम मेमेंटो दिया जाएगा।

लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डबोक। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं एनसीटीई से प्राप्त परिपत्र की अनुपालना में बुधवार को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) उदयपुर के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, डबोक में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध तमिल कवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का आरंभ माँ शारदे के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वन्दना से हुआ। समस्त विभागाध्यक्षों , संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षणार्थियों की गरिमायी उपस्थिति में आयोजित समारोह के उद्देश्य एवं रूपरेखा डॉ. अमित कुमार दवे ने प्रस्तुत की। "भारतीय भाषा उत्सव " कार्यक्रम संयोजिका डॉ. अमी राठौड़ के दिशा निर्देश में समारोह को सधी हुई गति प्रदान की गई। लोकगीत भाषा को जीवंत रखने का माध्यम है, उक्ति को सार्थक करते हुए राजस्थानी गीत की प्रस्तुति महेंद्र कुमार वर्मा के निर्देशन में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा की गई। तत्पश्चात बी.ए. बी.एड, बी.एससी. बी.एड. की प्रशिक्षणार्थी माया सेन द्वारा निर्मित कार्टून कॉमिक्स का विमोचन किया गया। 'भाषा भावों का आधार' विषयक विमर्श सत्र में संकाय सदस्य रूपल तोमर , डॉ. ऊषा शर्मा , डॉ. पल्लव पाण्डे, डॉ.मीनेष भट्ट , डॉ. नीलम तिवारी ,डॉ. हरीश चौबीसा , डॉ.अनिता कोठारी , डॉ.शानू शक्तावत, अनुपमा सुथार ने भारतीय भाषाओं के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए । प्रशिक्षणार्थी आरती प्रजापत ने 'रुद्राष्टकम स्त्रोत' का पाठ कर देववाणी सँस्कृत को पुनः प्राण प्रतिष्ठित करने का आह्वान किया। वहीं प्रशिक्षणार्थी बनाराम सेन ने भाषा व संस्कार विषयक विचार में पश्चिमी सभ्यता के विनाशक पहलू पर चिंता व्यक्त की। अध्यक्षीय उदबोधन में डॉ. बलिदान जैन ने भाषा को धर्म व कर्म का माध्यम घोषित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका डॉ. अमी राठौड ने भाषा प्रयोग की शैली एवं भावों को अधिरेखांकित करते हुए भाषाई भाव सौन्दर्य को समझने एवं व्यवहार हेतु प्रेरित किया। डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. अनिता कोठारी, डॉ. सरिता मेनारिया समेत समस्त संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। समारोह का प्रमुख आकर्षण भारतीय भाषाओं को समर्पित पोस्टर प्रदर्शनी रही । कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद की रस्म डॉ अमित कुमार दवे ने अदा की। भारतीय भाषा दिवस सरीखे उत्सवों से उत्प्रेरित हो शिक्षण अधिगम के दौरान बहुभाषिकता की संस्थितियों को अपनाने की शपथ के एवं राष्ट्रगान के साथ यह आयोजन संपन्न हुआ।



जयपुर के सरकारी अस्पताल के कमरे से निकली तिजोरी:अधीक्षक बोले- रूम 10 साल से नहीं खुला, चाबी ढूंढ रहे; जयपुरिया में चल रहा निर्माण कार्य



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर में राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल में नए कंस्ट्रक्शन के दौरान के दौरान तोड़े गए कमरे से एक तिजोरी निकली है। तिजोरी में क्या है ये अभी खुलासा नहीं हो सका है और न ही प्रशासन ने उसे खोलने का प्रयास किया। हॉस्पिटल अधीक्षक डॉक्टर महेश मंगल का कहना है कि जिस कमरे में ये तिजोरी निकली है वह पिछले 10 साल खुला तक नहीं है। अब हम इसकी चाबी ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं अगर नहीं मिलती है तो उसे दूसरे तरीके से खुलवाया जाएगा।

कमरे से निकली तिजोरी

बता दें कि हॉस्पिटल के पुराने ओपीडी रजिस्ट्रेशन और भर्ती काउंटर के एरिया को तोड़कर यहां नए सिरे से रजिस्ट्रेशन, भर्ती काउंटर बनवाने का काम शुरू करवाया गया। इस दौरान यहां बने कमरों और अन्य निर्मित एरिया को तोड़ा गया। इस दौरान कमरे के अंदर बने एक छोटे से स्टोर रूम में एक तिजोरी दीवार में जड़ी मिली। तिजोरी मिलने के बाद मजदूरों ने इसकी सूचना ठेकेदार और अस्पताल प्रशासन को दी। जिसके बाद मौके अधीक्षक और अन्य प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और तिजोरी को दीवार से निकलवाकर उसे ब्लड बैंक के पास स्थित प्रशासनिक ऑफिस के बाहर रखवा दिया।

10 साल से नहीं खोला कमरा

हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने बताया- ओपीडी रजिस्ट्रेशन के पीछे बने कमरे के अंदर तो स्टाफ का आना-जाना था, लेकिन उसके अंदर बने छोटे से स्टोर एरिया में गेट बंद था। ये दरवाजा पिछले 10 साल से नहीं खोला गया था। आज जब तोड़फोड़ की गई तो से एरिया भी टूटा, जिसमें से ये तिजोरी निकली है। डॉक्टर ने बताया कि तिजोरी में क्या है ये तो इसके खुलने के बाद ही पता चलेगा।

दो साल बाद फिर होगा 'राइजिंग राजस्थान', समिट में हुए MOU का होगा रिव्यू : CM भजनलाल



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राइजिंग राजस्थान समापन पर बुधवार को सीएम भजनलाल ने बड़ी घोषणा की. सीएम ने राजस्थान में दो साल बाद 9 से 11 दिसंबर 2026 में फिर से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करने की घोषणा की. सीएम ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के समापन कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की, साथ ही अगले साल 11 दिसंबर 2025 में इस बार समिट में हुए एमओयू का रिव्यू करने का भी ऐलान किया।

एमओयू धरातल पर उतरेंगे : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सफल राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट के समापन पर मंत्रिमंडल के सदस्यों, विधायकों और ब्यूरोक्रेट्स के साथ समिट में शामिल हुए डेलीगेट्स का आभार जताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में सभी की सामूहिक भूमिका रही है. इस समिट में जो एमओयू साइन हुए है, वो जल्द धरातल पर दिखेंगे. 35 लाख करोड़ के जो एमओयू हुए हैं, वो राजस्थान की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी. आने वाले दिनों में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बनने की दिशा में बढ़ता हुआ दिखाई देगा. सीएम ने कहा कि जो एमओयू इस बार समिट में हुए हैं, उनका परीक्षण किया जाएगा. अगले साल आज ही के दिन यानी 11 दिसंबर 2025 को सरकार की ओर से राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान हुए एमओयू को रिव्यू किया जाएगा. सीएम ने कहा कि जनता को सरकार बताएगी कि कितने एमओयू धरातल पर उतरे. सीएम ने इशारों ही इशारों में कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी जो कहती है वो करती है, इस बार राइजिंग राजस्थान समिट में जो एमओयू किये है उसका हिसाब जनता को देंगे ।

जिले में ई-रवन्ना के 32 माह में 691 केस:परिवहन विभाग ने शुरू की कार्रवाई, 170 ट्रक मालिकों से वसूली जाएगी 3 करोड़ जुर्माना राशि



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. जिले में बीते 32 महीनों में ई-रवन्ना के 691 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसके बाद अब परिवहन विभाग ने इन प्रकरणों में कार्रवाई के लिए कदम बढ़ा दिया है। 170 ट्रक मालिकों पर तकरीबन तीन करोड़ रुपए जुर्माना राशि बन रही है। विभाग की ओर से बजट घोषणा वर्ष 2024 अनुसार ट्रकों के माइनिंग विभाग के ई-रवन्ना के प्रकरणों में प्रशमन राशि में करीब 96 प्रतिशत तक छूट दी गई है। यह छूट 30 जून 2024 तक के बनाए गए ई-रवन्ना चालानों में लागू होगी। ट्रक स्वामियों को राहत देने के लिए अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 दी गई है।

जनवरी में 40 निजी वाहनों की होगी नीलामी

दिसंबर 2024 का राजस्व लक्ष्य 7 करोड़ 25 लाख आवंटित है। इसमें प्रथम सप्ताह में तकरीबन 2 करोड़ का व अन्य राज्यों में पंजीकृत करीब 300 वाहनों को सीज कर करीब ढाई करोड़ राजस्व भी प्राप्त किया गया। एकबारीय कर जमा करवाने के लिए लंबे समय से जब्त निजी श्रेणी के वाहन और वाहन स्वामी द्वारा विभाग का वाहनकर जमा नहीं करवाया गया है। उन वाहनों की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जनवरी में करीब 40 निजी श्रेणी के वाहनों की नीलामी की जाएगी।

2 करोड़ का राजस्व हासिल

बांसवाड़ा जिला परिवहन अधिकारी एनएन शाह ने बताया- सरकार की ओर से ई-रवन्ना प्रकरणों में अभी 96 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। वहीं, पुराने बकाया चालान और वाहनों की नीलामी प्रक्रिया को लेकर कार्रवाई जारी है। प्रथम सप्ताह में लक्ष्य में 2 करोड़ का राजस्व विभाग द्वारा हासिल कर लिया गया है।

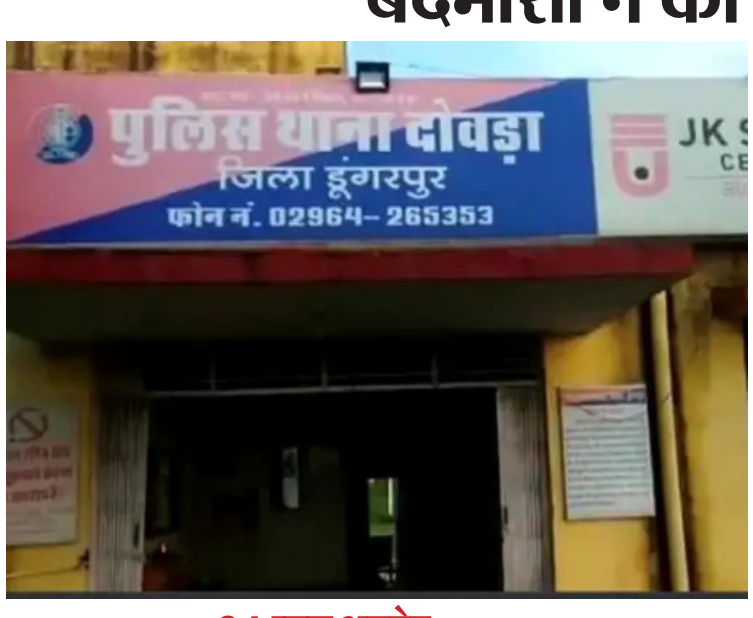
सिंगर हिमेश रेशमिया ने किए श्रीनाथजी के दर्शन किए:बोले- दर्शन करने बचपन से आता रहा हूं, सुकून मिलता है



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। पुष्टिमार्ग की प्रधानपीठ श्रीनाथजी मंदिर नाथद्वारा में आज कंपोजर, सिंगर व अभिनेता हिमेश रेशमिया ने श्रीनाथजी मंदिर पहुंच कर श्रीजी प्रभु के दर्शन किए। दर्शन के दौरान हिमेश रेशमिया के साथ परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। हिमेश रेशमिया मोती महल दरवाजे से होते हुए मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने प्रभु श्रीनाथजी की राजभोग झांकी के दर्शन किए। दर्शन के बाद रेशमिया श्री महाप्रभु जी की बैठक पहुंचे जहां मंदिर परंपरानुसार उपरना ओड़ाकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद पुनः वो मोती महल परिसर पहुंचे जहां उनके प्रशंसकों ने उनके साथ सेल्फी लेकर ओटोग्राफ लिए। हिमेश ने बताया कि वे बचपन से श्रीनाथजी मंदिर आते रहते हैं। यहां आना उन्हें अच्छा लगता है और श्रीनाथजी के दर्शन कर मन को सुकून मिलता है, वे कामयाबी पाने से पहले से यहां अपने परिवार के साथ आते रहे हैं और प्रभु की कृपा से ही उन्होंने आज ये मुकाम हासिल किया है, उन्होंने बताया कि कुछ दिनों में ही उनकी एक ओर फ़िल्म आने वाली है और जल्द ही उसका प्रोमो रिलीज हो जाएगा। इसके बाद वो उदयपुर के लिए प्रस्थान कर गए।

फाइनेंसकर्मियों से मारपीट कर कैश लूटा:बैग पगारा पुलिया पर फेंककर भागे, बलेनो कार में आए बदमाशों ने की वारदात



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. दोवड़ा थाना क्षेत्र में सिदड़ी गांव के पास बाइक सवार फाइनेंसकर्मियों से मारपीट कर लूटपाट की वारदात हुई। बलेनो कार में आए 3 बदमाशों ने 48 शहर रुपए से ज्यादा का भरा बैग लूटकर भाग गए। खाली बैग पगारा पुलिया के पास मिला। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

दोवड़ा थाना क्षेत्र के सिड़दी गांव में मंगलवार को लूटपाट की वारदात हुई। दिनेश (31) पुत्र सीताराम जाट निवासी वछामडी तहसील नदबई जिला भरतपुर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया की वह ज्यूजन फाइनेंस लिमिटेड में काम करता हैं। डूंगरपुर में हॉस्पिटल रोड पर ऑफिस है। उनकी कंपनी महिला स्वयं सहायता समूहों को लोन पर रुपए देने का काम करती है। वे लोन की राशि को किश्तों में रिकवरी करने का काम करते हैं। मंगलवार को वह ओर उसका साथी दिलखुश कछावा पुत्र बाबूलाल निवासी खड़ावदा तहसील मनाता जिला नीमच दोनों एक बाइक पर वसूली के लिए निकले थे। सिदड़ी रणसागर से वसूली कर वापस डूंगरपुर की ओर जा रहे थे। उसी समय पीछे से एक नीले रंग की बलेनो कार में 3 बदमाश आए। उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद कार से तीनों बदमाश नीचे उतरे और मारपीट शुरू का दी। दिलखुश रुपयों से भरा बैग लेकर भागने लगा। बदमाशों ने उसे पकड़कर बैग छीन लिया और भाग गए। बैग में 48 हजार 570 रुपए थे। बदमाशों ने रुपए निकाल लिए और खाली बैग रास्ते में पगारा पुलिया के पास फेंक दिया, जो रास्ते से जा रहे लोगों को मिला। घटना को लेकर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। वहीं, पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

बिजली निगम में निजीकरण का विरोध

कार्मिको ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन, ओपीएस लागू करने की मांग

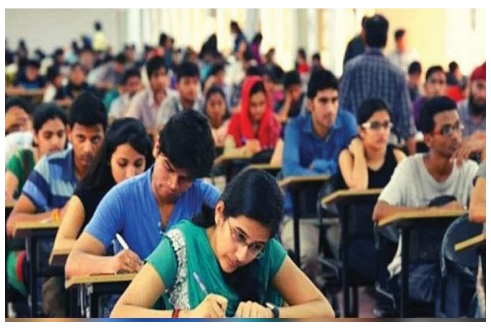


24 न्यूज अपडेट

बिजली निगम के कार्मिको ने काली पट्टी बांधकर बुधवार को एईएन ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। बिजली कार्मिको ने प्रदेश में बिजली के क्षेत्र में उत्पादन, प्रसारण और निगमों में किए जा रहे निजीकरण के विरोध और ओपीएस लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर डूंगरपुर जिले में भी बिजली विभाग के कार्मिको ने निजीकरण के विरोध और ओपीएस लागू करने की मांग को लेकर आज बुधवार सभी एईएन ऑफिस के बाहर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया की सरकार ने सभी डिस्कॉम में विद्युत केन्द्रों का संचालन, कमीशनिंग फीडर, ट्रंकी बेसिस स्कीम, मीटरिंग, बिलिंग व कलेक्शन के नाम पर निजीकरण करने का काम किया जा रहा है।

संघर्ष समिति द्वारा इस तरह के निजीकरण का लगातार विरोध किया जा रहा है। इसके साथ ही पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने की भी मांग की जा रही है, लेकिन सरकार की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कार्मिको ने निगम में निजीकरण बंद करने और ओपीएस लागू करने की मांग की है। वही मांगे नहीं माने जाने पर आन्दोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है।

उठो, जागो, रीट की करो तैयारी, 27 फरवरी को एग्जाम, 16 दिसंबर से भरो फॉर्म, 15 जनवरी लास्ट डेट



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. अजमेर। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा रीट अगले साल 27 फरवरी को होगी। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को परीक्षा की तारीखों का एलान किया है। रीट के लिए 16 दिसंबर से आवेदन फॉर्म भरना शुरू हो गया है। अंतिम तारीख 15 जनवरी है। बोर्ड के सचिव कैलाशचंद शर्मा ने बताया कि इसकी वैलिडिटी लाइफ टाइम रहेगी। ओएमआर शीट में 5 ऑप्शन दिए जा रहे हैं। हर सवाल का जवाब देना जरूरी होगा। खाली छोड़ने पर नंबर कटे जाएंगे। रीट लेवल वन और टू के लिए अलग-अलग अप्लाई करने पर प्रत्येक के लिए 550 रुपए शुल्क होगा। दोनों के लिए एक साथ आवेदन करने पर 750 रुपए शुल्क लगेगा। त्म्ज् 2017 : 6 से 30 नवंबर 2017 तक आवेदन लिए। 11 फरवरी 2018 को परीक्षा हुई। आवेदन की अंतिम तिथि के 72 दिन बाद एग्जाम हुआ था। पिछली बार 11 जनवरी से 8 फरवरी 2021 तक आवेदन लिए थे, 26 सितंबर 2021 को एग्जाम हुआ। परीक्षा तिथि 25 अप्रैल है। बाद में इसे स्थगित कर 26 सितंबर कर दिया गया। आयोजन आवेदन की अंतिम तिथि के 229 दिन बाद हुआ। 16 दिसंबर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जो 15 जनवरी तक चलेगी, एग्जाम 27 फरवरी को होगा। अगर किसी अभ्यर्थी ने 10 फीसदी से अधिक सवालों के जवाब में पांचों विकल्प में से एक भी नहीं चुना तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी रखी जाएगी। दोनों लेवल के लिए अलग-अलग पारी में एग्जाम होगा। पहली पारी में एग्जाम सुबह 10 से दोपहर 12:30 बजे तक होगा। दूसरी पारी में एग्जाम दोपहर ढाई से शाम पांच बजे तक होगा। इस बार परीक्षा के पेपर सेंटर के नजदीक ट्रेजरी में सुरक्षा गार्ड की मौजूदगी में डबल लॉक में रखे जाएंगे। जहां ट्रेजरी नहीं, वहां पर अस्थाई ट्रेजरी बनाई जाएगी। परीक्षा का आयोजन जिला मुख्यालय पर ही होगा। जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति का गठन होगा और अतिरिक्त जिला कलेक्टर नोडल ऑफिसर होंगे।

बांग्लादेश में जलाई साड़ियां, सूरत के कपड़ा व्यापारियों के फंसे 500 करोड़, बांग्लादेश से रेडिमेड इंपोर्ट बैन क्यों नहीं करती भारत सरकार????



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. सूरत। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने भारत में बनी साड़ियों को जलाकर वीडियो जारी किए व भारत के कपड़ा उद्योग पर निशाना साधा तो यहां गुस्सा भड़क उठा। सूरत में कपड़ा उद्योग के व्यापारियों में काफी गुस्सा है.। सूरत के व्यापारियों ने बांग्लादेश के रेडीमेड कपड़ों के आयात पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही भारत सरकार से सूरत के कपड़ा व्यापारियों के वहां पर फंसे 500 करोड़ रुपये वापस दिलाने की भी मांग की है। आपको बता दें कि सूरत का कपड़ा उद्योग दुनिया भर में फैला है। जब भी किसी देश में अस्थिरता आती है तो उसका असर सूरत के कपड़ा उद्योग पर जरूर होता है। बांग्लादेश अभी दुनिया में चीन के बाद सूरत के कपड़ा उद्योग का सबसे बड़ा कंपीटीटर है। रेडीमेड गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब होने से अब वहां पर नेता सूरत के कपड़ा उद्योग को निशाना बना रहे हैं। सार्वजनिक सभाओं में साड़ियाँ जला रहे हैं और मंचों से मांग कर रहे हैं कि सूरत से साड़ियाँ बांग्लादेश नहीं आनी चाहिए। सूरत की साड़ियों को इस तरह जलता देख यहां पर खासा आक्रोष है। बांग्लादेश में राजनीतिक अराजकता की मौजूदा स्थिति के कारण सूरत के कपड़ा व्यापारियों ने दुर्गा पूजा के दौरान जो व्यापार किया था उसका पैसा नहीं आया है। एक अनुमान के मुताबिक, सूरत के व्यापारियों के 500 करोड़ से ज्यादा रुपए बांग्लादेश में फंसे हुए हैं। वहां के व्यापारी सूरत के व्यापारियों का बिल नहीं चुका रहे हैं। सरकार को वहां की सरकार से इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि बांग्लादेश में फंसे व्यापारियों से तत्काल प्रभाव से पैसा जल्दी वापस दिलाया जा सके। परिधान और मलमल की साड़ियों पर प्रतिबंध लगाएं टेक्सटाइल संगठन के अध्यक्ष ललित शर्मा ने मीडिया से कहा कि बांग्लादेश के नेता न केवल हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं, बल्कि साड़ियां जलाकर उद्योग का बहिष्कार भी कर रहे हैं, उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए। सरकार को तुरंत प्रभाव से बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। बांग्लादेशी नेता सार्वजनिक सभाओं में साड़ियाँ जलाकर हमारे उद्योग को निशाना बना रहे हैं। हम मांग कर रहे हैं कि केंद्र सरकार तुरंत बांग्लादेश से आने वाले परिधान पर प्रतिबंध लगाए. इतना ही नहीं, चूंकि भारत में वहां निर्मित मलमल की साड़ियों का बहुत बड़ा बाजार है, इसलिए वहां से आयातित होने वाली साड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। आमतौर पर हम बांग्लादेश पर निर्भर नहीं हैं, लेकिन कच्चा माल लेकर बांग्लादेश हम पर निर्भर है। अगर केंद्र सरकार बांग्लादेश से आने वाले परिधान पर रोक लगा दे तो हमारे देश के कपड़ा उद्योग को और गति मिल सकती है क्योंकि वहां इकाइयां अभी बंद हैं। अभी भारत में कपड़ा उद्योग में खासी तेजी चल रही है। सूरत या देश की अन्य कपड़ा निर्माता कंपनियों से ऑर्डर काफी बढ़ रहे हैं।

जयसमंद के पास विधिक सेवा शिविर का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। विधि महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 240 छात्रों के एक दल ने सलूंबर जिले के जयसमंद के पास विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया। विधिक सेवा शिविर आदिवासी बहुल क्षेत्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गामड़ी में आयोजित किया गया । जिसमें 400 स्कूल छात्रों और 200 ग्रामीणों ने भाग लिया।। छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गुड टच बेड टच के द्वारा पोक्सो कानून , तथा अनिवार्य मतदान की आवश्यकता पर भी छात्रों द्वारा मंचन किया गया। कुछ छात्रों ने शिविर में विशेष कानून की जानकारी दी जिनमें भव्याता यादव ने (डिजिटल गिरफ्तारी) चित्रा जोशी ने (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) हितेश कुमार ने (उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम) की जानकारी छात्रों और गांव वासियों को प्रदान की। इस अवसर पर विधि महाविद्यालय के निम्न लिखित संकाय सदस्यों ने भाग लिया, सह- आचार्य (डॉ.)राजश्री चौधरी डॉ. भाविक पानेरी , डॉ. स्नेहा सिंह डॉ. पंकज भट्ट डॉ. सतीश मीणा डॉ. पायल शर्मा डॉ. गुंजन पारीख डॉ भूमिका चौबीसा डॉ सुनीता सोनी और विधि छात्रों ने भाग लिया।

पानेरियों की मादड़ी में फिर अटका रोड का काम:कोर्ट से स्टे के चलते 600 फ्लैट्स सहित आवासीय योजनाओं का काम रुका



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. आवासन मंडल उदयपुर द्वारा पानेरियों की मादड़ी में सप्ताहभर पहले अतिक्रमण हटाने के बावजूद प्रस्तावित 100 फीट रोड बनाने की राह फिर मुश्किल हो गई। इससे आवासीय योजनाओं का काम भी रुक गया है। दरअसल, यहां से एक खातेदार द्वारा किया अतिक्रमण विभाग ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था लेकिन दूसरा खातेदार विभाग की इस कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट से स्टे ले आया। ऐसे में फिलहाल रोड बनाने के साथ वहां प्रस्तावित आवासीय योजनाएं भी अटक गई हैं। उप आवासन आयुक्त कालूराम ने बताया कि खातेदारों को नियमानुसार पट्टे दिए जा चुके हैं। लेकिन, कुछ खातेदार इससे सहमत नहीं है। उन्होंने पहले भी कोर्ट स्टे लगाए लेकिन वे खारिज हो चुके थे। ऐसे में जल्द ही कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद है। जिसके बाद जल्द रोड तैयार किया जाएगा और आवासीय योजनाएं विकसित की जाएंगी। 600 फ्लैट्स और करीब 80 मकान की योजना 10 साल से लंबित पानेरियों की मादड़ी में अतिक्रमण होने के कारण यहां विभाग अपनी योजनाओं को मूर्त रूप नहीं दे पा रहा। वर्ष 2013 में यहां 600 फ्लैट्स की लॉटरी निकाली थी। इसके अलावा करीब 80 मकान बनाने हैं लेकिन अतिक्रमण के कारण ये काम अटका हुआ है। जिन लोगों को फ्लैट्स और मकान आवंटित हुए थे, वे इंतजार में बार-बार विभाग के चक्कर काट रहे हैं। आवासन मंडल ने इससे पहले खातेदरों से कई बार समझाइश की और नोटिस भी दिए। यहां तक की तीन बार अतिक्रमण हटाने का भी प्रयास किया लेकिन लोगों ने खुद हटाने का समय मांग लिया। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

जे. के. सीमेन्ट के स्वर्ण जयन्ती महोत्सव को लगे चार- चांद निम्बाहेड़ा प्लान्ट को मिला सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता अवार्ड



24 न्यूज अपडेट

चितौड पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति हुये शामिल जे. के. सीमेन्ट निम्बाहेड़ा प्लान्ट के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किये जा रहे स्वर्णजयन्ती महोत्सव के दौरान अनेक कार्यक्रम हुये। आचार्य श्री त्रिलोकीनाथ जेटली के सानिध्य में हो रहे अति लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में आहुतियाँ जारी है। वहीं सिंघानिया परिवार ने मण्डप पूजा अर्चना की और सर्वजन कल्याण की कामना की । इस अवसर पर भजन संध्या के दौरान भजन गायक कुमार विशु ने समा बांध दिया ओर भजनों पर श्रोतागण झूमते नजर आये। इस दौरान चितौड़ के पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि स्वर्ण जयन्ती महोत्सव की खुशीयाँ ओर कई गुना बढ़ गई जब जे. के. सीमेन्ट निम्बाहेड़ा प्लान्ट को एम्लॉयर एसोसियेशन ऑफ राजस्थान की ओर से लार्ज स्केल सीमेन्ट प्लान्ट की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता का अवार्ड प्रदान किया गया। राज्य सरकार के मन्त्री श्री के.के. विश्नोई ने कम्पनी के मानव संसाधन प्रमुख श्री प्रभाकर मिश्रा एवं टीम को प्रदान किया । उल्लेखनीय है कि स्वर्ण जयन्ती महोत्सव के अवसर पर जे. के. श्रमिक परिवार के लिये सामूहिक स्नेह भोज का आयोजन किया गया, जिस दौरान प्रबन्ध निदेशक डॉ. राघवपत सिंघानिया स्वयं उपस्थित रहे और श्रमिक परिवारजनों को भोजन के लिये मनुहार की।

बड़ा हादसा : सीएम के काफिले में शामिल कार टकराई, 5 पुलिसकर्मी घायल, खुद अस्पताल लेकर पहुंचे भजनलाल



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम से लौट रहे मुख्यमंत्री के काफिले में शामिल एक कार जयपुर के जगतपुरा स्थित अक्षय पात्र चौराहे पर दूसरी कार से टकरा गई। दुर्घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल बताए जा रहे हैं। सीएम ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी से उतरकर घायलों को लेकर खुद अस्पताल पहुंचे। बताया गया कि बुधवार दोपहर करीब 3 बजे हुई, जब मुख्यमंत्री का काफिला राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट से जगतपुरा स्थित निजी कार्यक्रम के लिए रवाना हुआ तो भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। दौरान अक्षय पात्र चौराहे पर रॉन्ग साइड से आ रही गाड़ी ने काफिले में शामिल कार को टक्कर मार दी। गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना में 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक की पहचान एएसआई सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई जबकि चार अन्य पुलिसकर्मियों के नाम अभी सामने नहीं आए। सीएम ने खुद घायलों को निजी हॉस्पिटल में इलाज के लिए लेकर गए और भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि रॉन्ग साइड से आ रही कार ने पुलिस वाले को टक्कर मारते हुए सीएम काफिले में घुस गई, जिससे काफिले में शामिल कार पलट गई और कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। तुरंत बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी गाड़ी से उतरे और पुलिसकर्मियों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। घायलों को जीवन रेखा अस्पताल रेफर किया गया। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने का दौरा रद्द कर दिया। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर गई। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।